भक्तपरायण मामव

रागम्: शङ्करभरणम् ताळम्: रूपकम्

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

भक्तपरायण मामवानन्तपद्मनाभ सततम्

अनुपल्लवि

मुक्तिद फणिवरशयन कृपालय
मोहन तनुजित मदन शुभरदन

चरणम्

नीरजारुणचरण देवेश वारणभयहरण

घोरभवार्णवतारक मधुहर
कोमळाळकावृतवदन गरुडासन ॥ १ ॥

कामितफलदायक श्रीभूमीकान्त भुवननायक

मामपि तव चरणैकगतिं मुरमर्दन
करुणामृतेन शिशिरीकुरु ॥ २ ॥

स्यानन्दूरपुरवास मनोहर चंपकसुमनास

सूनसायकतात विविधमणिखचित
शोभनवरकिरीट रुचिरहास ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇